

Date ___/___/___

Sub - Psychology
B.A. Part II (Hons)

Paper - III

Chapter - Models of Psychopathology

Topic - Psychopathology of everyday life

By Nishikant Jaiswal (Assistant Professor.)

Dr. L.K.V.D College Tarpur, Samastipur.

Lecture series No - 20

Psychopathologies of Everyday life

सभी व्यक्ति दैनिक जीवन में कुछ न कुछ भूलें करता है। कुछ भूलें ऐसी होती हैं जिनका हमें ज्ञान होता है तथा हम तुरंत ही उन भूलों में सुधार कर लेते हैं। परन्तु कुछ भूलें ऐसी होती हैं जिसे व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में अज्ञानतावश तथा अनायास कर बैठता है। वास्तव में ऐसी भूलें करने समय हमें इसकी चेतना नहीं रहती है परन्तु ऐसी भूलें होने की हमें उनका ज्ञान अवश्य ही ज्ञानी है। ऐसी भूलें किसी विमारी के कारण नहीं होती क्योंकि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति में भी ये दिखायी देती हैं जैसे आदमी ठोसना कुछ चाटना है थोला कुछ आना है, लिखना कुछ चाटना है लिखा कुछ और जाना है। ये ऐसी भूलें हैं जो व्यक्ति की निरुद्देश्य (unpurposeful) तथा मात्र संयोगवश (sway by chance) होने लगती हैं। फ्रायड (Freud) के अनुसार ऐसी भूलें अनायास नहीं होती हैं बल्कि उनका कारण होता है।

Date: / /

जो अचेतन में दमित होता है। अचेतन में दमित विरोधी विचार (Contradictory thought), कामुक इच्छाएँ (Sexual desires) अनृत्य इच्छाएँ (Unfulfilled wishes), आक्रामक प्रवृत्तियाँ (Aggressive tendencies) ही इन भूलों का कारण होता है अचेतन में दमित ऐसी प्रवृत्तियाँ इन गलतियों या भूलों द्वारा चेतन में अभिव्यक्त (Expressed) होती हैं। ऐसी गलतियों को ही फ्रायड ने "दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ" (Psychopathologies of everyday life) कहा है। फ्रायड ने अपनी पुस्तक "Psychopathology of Everyday Life" में अपनी पुस्तक "Psychopathology of Everyday Life" में 1914 में प्रकाशित हुआ में इन मनोविकृतियों का विस्तृत वर्णन किया गया है। इन मनोविकृतियों (Psychopathologies) में बोलने की भूलें (Slips of tongue), लिखने की भूलें (Slips of pen), किसी व्यक्ति या स्थानों के नाम की भूलना (forgetting of names) चीजों को इधर-उधर रखने की भूलें (mislaying of objects) पहचानने के भूलें (errors in recognition) कपड़े की भूलें (misplacement अनजाने में की गई क्रियाएँ (unconscious acts) आदि प्रमुख हैं। चूँकि इन भूलों के कारण अचेतन में होते हैं अतः व्यक्ति इन भूलों के प्रति अनभिज्ञ रहता है तथा उसे मात्र संयोगवश या बिना ध्यान के होने वाली गलती समझकर अपने आप को संतुष्ट कर लेता है।